

देश हमारा न्यारा
क्लास- ६

विषय-हिन्दी

पाठ -१

पाठ का नाम –देश हमारा न्यारा

PPT-1

CHANGING YOUR TOMORROW

कवि परिचय

परिचय

जन्म : 02-07-1974 (खुटार, शाहजहाँपुर)

भाषा : हिंदी

मुख्य कृतियाँ

कविता संग्रह : तुम्हारे लिए

शोध/ आलोचना : बाल साहित्य के प्रतिमान, बाल साहित्य : सृजन और समीक्षा

बाल कहानी संग्रह : नेहा ने माफी मांगी, आधुनिक बाल कहानिया, अमरुद खट्टे हैं, मोती झरे टप-टप ,अपमान का बदला, भाग गए चूहे, दीदी का निर्णय, मुझे कुछ नहीं चाहिए, यस सर, नो सर

बाल एकांकी संग्रह : छोटे मास्टरजी

शिशुगीत संग्रह : चल मेरे घोड़े, अपलम चपलम, हाथी को जुकाम

बाल कविता संग्रह : यदि ऐसा हो जाए, लारी लप्पा

बाल पहेलियाँ : जो बूझे वह चतुर सुजान

चित्र पुस्तक : कददू की दावत

संपादन : न्यारे गीत हमारे, किशोरों की श्रेष्ठ कहानियाँ, बालिकाओं की श्रेष्ठ कहानियाँ, इंद्रधनुषी बाल कहानियाँ

सम्मान

उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, चिल्ड्रंस बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली,

भारतीय बाल कल्याण संस्थान, कानपुर, निरंकारदेव सेवक बाल साहित्य समीक्षक शिरोमणि सम्मान, बरेली आदि



पाठ प्रवेश

- हमारा देश भारत एक महान देश है जिसका एक गौरवशाली अतीत है तथा गौरवमयी संस्कृति व सभ्यता है । हमारा देश विश्व के समस्त देशों से अद्भुत व निराला देश है । मुझे अपने देश की संस्कृति व सभ्यता पर गर्व है ।
- हमारे देश का नाम भारत है जिसे हिंदुस्तान या इंडिया भी कहा जाता है । यह विश्व के एशिया महाद्वीप मे स्थित है। लगभग 200 साल के ब्रिटिश राज के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। भारत की राजधानी नई दिल्ली है । हमारे देश मे कुल 29 राज्य एवं 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं। भारत एक लोकतान्त्रिक देश है । भारत की जनसंख्या लगभग 121 करोड़ है। हमारे देश का क्षेत्रफल लगभग 32 लाख, 87 हजार वर्ग किलोमीटर है। स्वतन्त्रता दिवस , गणतन्त्र दिवस और महात्मा गांधी जयंती , भारत के राष्ट्रीय त्योहार हैं। हमारे देश का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा , राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम , राष्ट्रगान जन गण मन , राष्ट्रीय खेल हाकी , राष्ट्रीय पश बाघ , राष्ट्रीय पक्षी मोर है। भोगोलिक दृष्टि से देखे तो भारत एक प्रायद्वीप है जो तीन ओर से जल से घिरा हआ है। चीन , पाकिस्तान , बांग्लादेश , भूटान , नेपाल , श्रीलंका , म्यांमार आदि भारत के पड़ोसी देश हैं। हमारे देश एक कृषि प्रधान देश है । गेहं , चावल , दालें , गन्ना आदि भारत की प्रमुख फसले हैं। हमारा देश मे कई प्रकृतिक खनिज पाये जाते हैं जैसे कोयला , लोह अयस्क , तांबा , आदि। हमारे देश मे कई भाषाएँ एवं बोलियाँ हैं । इस प्रकार हमारा देश अनेकता मे एकता का एक प्रतीक है।



संबंधित प्रश्न

- हमारा देश का नाम क्या है ?
- हमारे देश में हम कौन कौन से त्योहार मनाते हैं ?
- भारत के राष्ट्रीय त्योहारों के नाम लिखिए ?
- भाईचारा से आप क्या समझते हैं ?
- क्या आप को प्रकृति की सुंदरता अच्छा लगता है यदि हाँ तो क्यों ?
- आप को अपना देश क्यों अच्छा लगता है ?
- हमारे देश में कौन कौन सी भाषाएं बोली जाती है ?
- ऋषि मुनि के बारें में आप क्या जानते हैं ?

पाठ सार

- हमारे देश की संस्कृति व सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है। यह देश ऋषियों-मनियों का देश रहा है। भारत को इसीलिए अनेक महापुरुषों ने देवों की धरती कहा है क्योंकि यहाँ पर संस्कृति व सभ्यता पौढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और हजारों वर्ष बाद भी भारतीय संस्कृति उतने ही सशक्त व जीवंत रूप में विद्यमान है। हमारे देश की संस्कृति त्याग, बलिदान, प्रेम, सद्भावना, भाईचारा, श्रद्धा आदि महान नैतिक, शुद्ध व दैवी गुणों पर आधारित है।
- विशाल हृदय वाली इस संस्कृति ने हमें अपने दुश्मनों से भी प्रेम करना सिखाया है। इसी धरती पर भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, त्याग की प्रतिमूर्ति महात्मा दर्थीचि, दौनवीर कर्ण, महाप्रतापी व सत्यवादी राजा हरिश्चंद आदि महापुरुषों ने जन्म लिया। गाँधी जी जैसे युग्मपुरुष यहीं पर अवतरित हुए जिन्होंने बिना शस्त्र के 'सत्य और अहिंसा' के मार्ग पर चलते हुए भारत को स्वतंत्र कराया।
- हमारे देश में कश्मीर से कन्याकमारी तक तथा गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक विभिन्न भाषा, जाति, वेश-भषा व विभिन्न मतों के लोग एक साथै निवास करते हैं। इतने विभिन्न रंगों को एकीकृत रूप में पिरोना भारत जैसे महान देश में ही संभव है। भारतीय संस्कृति की उदारता व महानता का यह साक्षात् प्रमाण है।
- यहाँ विश्व के लगभग समस्त धर्मों के लोग परस्पर मेल-जोल से रहते हैं। सभी को बिना भेदभाव अपने धर्म को मानने व प्रचार-प्रसार की खुली अनुमति है। उत्तर से दक्षिण हो या फिर पर्व से पश्चिम हम भारत के किसी भी छोर पर जाएँ हमें जो भिन्नता यहाँ देखने को मिलेगी वैसी भिन्नता विश्व के शायदी ही किसी कोने में उपलब्ध हो।
- निःसंदेह किसी भी भारतीय से हम प्रश्न करें तो उसका भी यही उत्तर होगा – 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।'

सामान्य उद्देश्य

- छात्रों में एकता की भावना जागरूक करना । मातृभूमि के प्रति प्रेम की भावना को जागरूक करना

विशेष उद्देश्य

- हमारे देश की एकता अखंडता संस्कृति परंपरा को विकसित करना
- गृहकार्य
- पाठ का पहला पद को पढ़ कर उनके कठिन शब्दों को रेखांकित कीजिए

THANKING YOU **ODM EDUCATIONAL GROUP**